



नव भारत साक्षरता कार्यक्रम

प्रलिस के ललल:

नव भारत साक्षरता कार्यक्रम, राष्ट्रीय शकषा नीतल, 2020

मेन्स के ललल:

युवाओं को शकषल करने की आवश्यकता और देश के वकलस में उनकी भूमकल, सरकारी नीतलल और हस्तकषेप

चरचा में क्युँ?

हलल ही में सरकार ने [राष्ट्रीय शकषा नीतल 2020](#) और 2021-22 की बजट घोषणाओं के अनुरूप **प्रौढ** शकषा के सभी पहलुओं को कवर करने हेतु वर्ष 2022-2027 की अवध के ललल "नव भारत साक्षरता कार्यक्रम" को मंजूरी दी है ।

- यह **बजट 2021-22** के अनुरूप है, जसमें संसाधनों, प्रौढ शकषा को कवर करने वाले ऑनलाइन मॉड्यूल तक पहुँच में वसलतार की घोषणा की गई थी ।
- "नव भारत साक्षरता कार्यक्रम" का अनुमानल कुल परवल्य 1037.90 करोड रुपए है, जसमें वर्ष 2022-27 के ललल क्रमशः 700 करोड रुपए का केंद्रीय हसलसा और 337.90 करोड रुपए का राज्य हसलसा शामिल है ।
- देश में **प्रौढ शकषा** का नाम बदलकर अब '**सभी के ललल शकषा**' कर दलल गया है

नव भारत साक्षरता कार्यक्रम का उद्देश्य:

- इस कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल आधारभूत साक्षरता और अंकगणल की शकषा प्रदान करना है बलकल उन अन्य घटकों को भी शामिल करना है जो 21वीं सदी के नागरकों के ललल आवश्यक हैं ।
- अन्य घटकों में शामिल हैं:
 - **महतत्वपूर्ण जीवन कौशल** (वतलतीय साक्षरता, डजललल साक्षरता, वाणजलयक कौशल, स्वास्थ्य देखभाल और जागरूकता, बाल देखभाल एवं शकषा, तथा परवलर कलयण आदल) ।
 - **व्यावसायक कौशल वकलस** (स्थानीय रोजगार प्राप्त करने की दृषलसे) ।
 - **बुनयलदी शकषा** (प्रारंभक, मध्य और माध्यमक स्तर की समकषता सहल) ।
 - **सतत शकषा** (कला, वज्जान, प्रौद्योगकल, संस्कृतल, खेल और मनोरंजन में समग्र वयस्क शकषा पाठ्यक्रम, साथ ही स्थानीय शकषार्थलल हेतु रुचकल अन्य वषलयों का उपयोग जैसे महत्वपूर्ण जीवन कौशल पर अधकल उन्नत सामग्री सहल) ।

योजना का करयान्वयन

- योजना को स्वयंसेवा (Volunteerism) द्वारा ऑनलाइन मोड के माध्यम से लागू कलल जाएगा ।
 - स्वयंसेवकों के प्रशकषण, अभवलनयलस, कार्यशालाओं का आयोजन प्रत्यक्ष मोड के द्वारा कलल जा सकता है । योजना से संबंधल सभी सामग्री और संसाधन डजललल रूप से उपलब्ध कराए जाएंगे ।
- वदललय योजना के करयान्वयन हेतु इकाई होगा ।
 - वदललयों का उपयोग लाभार्थलल और स्वैच्छक शकषकों का सर्वेक्षण करने के ललल कलल जाएगा ।

योजना में शामिल लोग:

- देश के सभी राज्यों/संघ राज्य कषेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधकल आयु के गैर-साक्षर लोग ।
- राष्ट्रीय सूचना वज्जान केंद्र, NCERT और NIOS के सहयोग से 'ऑनलाइन टीचगल, लरनगल एंड असेसमेंट सलल्टम (OTLAS)' का उपयोग करके प्रतवलरष 1 करोड की दर से 5 करोड शकषार्थलल का लक्ष्य नरधरल कलल गया है ।
- **योजना की आवश्यकता:**

- वर्ष 2011 की **जनगणना** के अनुसार, देश में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के नरिक्षरों की कुल संख्या 25.76 करोड़ (पुरुष 9.08 करोड़, महिलाएँ 16.68 करोड़) है।
- साथ ही वर्ष 2009-10 से वर्ष 2017-18 तक लागू '**साक्षर भारत कार्यक्रम**' के तहत साक्षर के रूप में प्रमाणित 7.64 करोड़ लोगों को ध्यान में रखते हुए यह अनुमान लगाया गया है कि वर्तमान में भारत में लगभग 18.12 करोड़ वयस्क नरिक्षर हैं।

इससे संबंधित अन्य पहलें:

- **राष्ट्रीय कौशल विकास नगिम (NSDC):** इसका उद्देश्य बड़े, गुणवत्तापूर्ण और लाभकारी व्यावसायिक संस्थानों के निर्माण को उत्प्रेरित करके कौशल विकास को बढ़ावा देना है। यह उद्यमों, कंपनियों और कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने वाले संगठनों को वित्तपोषण प्रदान करके कौशल विकास में उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है।
- **डिजिटल इंडिया कार्यक्रम:** यह कई मौजूदा योजनाओं का पुनर्र्गठन करता है, जिसके पश्चात् उन्हें सकिरनाइज़ तरीके से लागू किया जाता है।
- **प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान:** यह नागरिकों को डिजिटल रूप से साक्षर बनाने के लक्ष्य के साथ देश की सबसे बड़ी पहलों में से एक है।
- **राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मशिन:** इसका उद्देश्य वर्ष 2020 तक महत्त्वपूर्ण डिजिटल साक्षरता कौशल के साथ प्रता परिवार कम-से-कम एक व्यक्ति को सशक्त बनाना है।
- **समग्र शिक्षा:** यह स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर समावेशी और समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिये पूर्व-विद्यालय से बारहवीं कक्षा तक की विद्यालयी शिक्षा हेतु एक एकीकृत योजना है।

आगे की राह

- दुनिया भर में शिक्षा प्रणालियों के तहत बच्चों और कामकाजी वयस्कों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जाना चाहिये ताकि वे पढ़ना-लिखना सीख सकें। राष्ट्रीय शैक्षिक योजनाओं में बच्चों हेतु विद्यालयी शिक्षा और वयस्कों के लिये साक्षरता प्रशिक्षण समानांतर रूप में शामिल होना चाहिये।

स्रोत: द हद्दि

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/new-india-literacy-programme>

